US 7306

» उच्च प्रबंधन और गर्मी-तनाव वाले क्षेत्रों के लिए एक अनुकूलनीय ग्रीष्मकालीन हाइब्रिड
» अच्छी एकसमान सिट्टे
» अच्छे चारे के गुणों वाला और न गिरने वाला हाइब्रिड
» गर्मी के मौसम के लिए उपयुक्त

US 7711

» पकने की उवधि 80-85 दिन
» उच्च अनाज और चारे की उपज
» मोटे दाने वाला लंबा और सघन सिट्टे
» अच्छी खड़ी रहने की क्षमता और स्वच्छ हरा चारा
» खरीफ और रबी के लिए उपयुक्त

US 7773

» पकने अवधि बुवाई के 75-78 दिन बाद
» घने गोलमटोल, एकसमान ठोस सिट्टे
» अधिक दाने, चारा रहे हमेशा हरा
» गिरने के प्रति सहनशील
» खरीफ और रबी के लिए उपयुक्त

US 7512

» जल्दी पकना: 75 दिन
» एक समान मध्यम ऊंचाई और अधिक अनाज की उपज
» उच्च लौह तत्व
» गिरने, ब्लास्ट और रस्ट के प्रति सहनशीलता
» खरीफ,रबी और गर्मी के लिए उपयुक्त

9119

» पकने की उवधि 85-90 दिन
» उच्च अनाज और चारे की उपज
» मजबूत, लंबा और सघन सिट्टा
» अच्छी अनाज गुणवत्ता और उच्च बाजार मूल्य
» बरसात और गर्मी के तनाव के लिए अनुकूलनीय
» खरीफ और गर्मी के लिए उपयुक्त

US Agriseeds® Seed that Works

SEEDWORKS®

25 YEARS OF SERVING FARMERS

हाइब्रिड बाजरा की खेती की पद्धति

खेत की तैयारी:

सबसे पहले खेत को मिट्टी पलटने वाले हल से अच्छी तरह जुताई करनी चाहिए। फिर मिटटी भुरभुरी होने तक कल्टीवेटर या हैरो से 2-3 बार जुताई करनी चाहिए।

बुवाई :

बुवाई का समय (खरीफ)	जून - जुलाई
गर्मी में बुवाई का समय	फरवरी से 15 मार्च
बीज दर	1.5 किलोग्राम प्रति एकड़
लाइन से लाइन और पौधे से पौधे की दूरी	45 सेंटीमीटर x 15 सेंटीमीटर
बीज की गहराई	2-3 सेंटीमीटर

उर्वरक प्रबंधन :

- उर्वरकों का उपयोग मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट और स्थानीय राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की सिफारिशों के आधार पर करना चाहिए। उर्वरकों की सामान्य अनुशंसित मात्रा नीचे दी गई तालिका के अनुसार है।
- 10 मेट्रिक टन गोबर खाद प्रति एकड़ प्रयोग करना चाहिए

उर्वरक	बेसल डोज़ (किलोग्राम/एकड़)	पहले पानी के समय (किलोग्राम/एकड़)	कुल मात्रा (किलोग्राम/एकड़)
यूरिया	18	52	70
डी ए पी	35		35
म्यूरेट ऑफ़ पोटाश (MOP)	20		20

सिंचाई की आवश्यकता :

बाजरे में मुख्य रूप से दो क्रांतिक अवस्थाओं पर सिंचाई अवश्य करनी चाहिए, टिल्लेरिंग स्टेज बुवाई के 25-30 बाद और दाना भरने के समय। बाकी आवश्यकता अनुसार सिंचाई करनी चाहिए

खरपतवार प्रबंधन :

बुवाई के 15 दिनों में हाथ से गुड़ाई करके खरपतवार निकालना चाहिए और उसके बाद 10-15 दिनों में एक बार अंतःकर्षण करना चाहिए।बाजरे की फसल में ज्यादा खरपतवार होने पर उपज में 25 से 50% तक कमी हो सकती है। केमिकल नियंत्रण के लिए एट्राजिन खरपतवार नाशक का 500 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग कर सकते हैं।

कीट एवं रोग प्रबंधन :

विवरण	प्रबंधन
ब्लास्ट (झुलसा)	जब 5% पौधे प्रभावित हों, तो प्रोपिकोनाज़ोल @ 1 मिली/लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।
डाउन मिल्ड्यू	संक्रमित पौधों को हटा दें और शुरुआती लक्षण दिखने पर मेटालैक्सिल 4% + मैनकोज़ेब 64% @ 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।
व्हाइट ग्रब (सफेद लट)	थायमेथोक्सम 0.9% + फिप्रोनिल 0.2% जीआर @ 5 किग्रा/एकड़ का प्रयोग करें।
शूटफ्लाई	अंकुरण के 10-15 दिनों के बाद प्रोफेनोफॉस @ 20 मिली/15 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।
एअरहेड वर्म्स	कोराजेन @ 6 ग्राम/15 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।
तना छेदक	कोराजेन @ 6 ग्राम/15 लीटर पानी या साइपरमेथ्रिन + क्लोरपायरीफॉस @ 25 मिली/15 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें ।
ग्रासहॉपर (टिड्डी)	साइपरमेथ्रिन + क्लोरपायरीफॉस @ 25 मिली/15 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

कटाई एवं मढ़ाई :

जब बाजरे की फसल पूर्ण रुप से पक गई हो जैसे कि सिट्टे को दबाने पर दाना आसानी से बाहर निकलने लगे और पत्तियां पीली पड़ने लगे तब बाजरे की कटाई कर लेनी चाहिए।पूर्ण रूप से पकने पर दाने कठोर और मजबूत हो जाते हैं। 13% या उससे कम नमी वाले दानों को सूखा माना जाता है। अगर 6 महीने से ज्यादा समय के लिए भंडारित करना है तो दाने में नमी 12% से कम होनी चाहिए।